an>

Title: Need to take steps to provide compensation to the farmers affected by floods and soil erosion in Haridwar Parliamentary Constituency of Uttarakhand.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक **(हरिद्वार):** माननीय अध्यक्ष महोदया, गंगा नदी राष्ट्रीय धरोहर नहीं, बल्कि विश्व की धरोहर है। लेकिन गंगोत्री से लगभग 300 किलोमीटर दूर मुनिकरेती, हरिद्वार में सैकड़ों गांव गांव की चपेट में आने के कारण लोगों के खेत-खलिहान बर्बाद हो गये हैं और लोग चौराहे पर आ गये हैं। झुग्गी-झोपड़ियाँ खत्म हो गयी हैं तथा लोग दाने-दाने के लिए तरस रहे हैं। गन्ना किसानों को भुगतान नहीं हो रहा है। उनके खेत, जो रेत में तब्दील हो गये हैं, उनको उस रेत को उठाने तक की अनुमति नहीं दी जा रही है। मेरा विनम्र निवेदन है कि चाहे वह मुनिकरेती का क्षेत्र हो या लक्सर ब्लॉक, खानपुर ब्लॉक, हरिद्वार, रायवाला, रायसी ब्लॉक, रामनपुर, कूसिया, शेरवाला, चन्द्रपुरी सहित तमाम गांवों संकट में आ गये

हैं। ये " नमामि गंगे " परियोजना का हिस्सा होना चाहिए ताकि राष्ट्रीय धरोहर और विश्व धरोहर में उनका जो योगदान हो रहा है, वे चौराहे पर खड़े न हों और किसानों तथा गन्ना किसानों को उनके खेत-खलिहान और फसलों का मुआवजा प्रदान करें। भारत सरकार इस क्षेत्र को एक विशेष क्षेत्र घोषित करे ताकि उनको संरक्षण मिल सके।

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.05 p.m.

13.04 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Five Minutes

past Fourteen of the Clock.